दैनिक

उत्तराखण्ड प्रहरी

उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर

वर्ष 15 /अंक 53 / पृष्ठ 8

हरिद्वार, शनिवार, 22 अप्रैल 2023

uttarakhandprahari19@gmail.com | e-paper: uttarakhandprahari.com

RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

अनुसूचित जाति आरक्षण में नए दावेदार

अक्षय फल देता है अक्षय तृतीया का व्रत

मूल्य- 2 रु.

'सूडान से भारतीयों को निकालने का बनाएं प्लान'- अधिकारियों के साथ पीएम मोदी की बैठक

नई दिल्ली। सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल के बीच चल रहे गृह युद्ध के चलते हालात खराब हो गये हैं. इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सूडान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार, 21 अप्रैल को एक हाई लेवल बैठक की. मीटिंग में पीएम मोदी ने अधिकारियों से सूडान में फंसे करीब 3 हजार भारतीयों को वापस लाने के लिए योजना तैयार करने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (21 अप्रैल) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सूडान में सुरक्षा हालात की समीक्षा बैठक की. सूडान में ईद से पहले हुए 72 घंटे के संघर्ष विराम की घोषणा के बीच पीएम ने भारतीय नागरिकों की निकासी और उन्हें सुरक्षित जगह पहुंचने के लिए सभी विकल्पों पर प्लान तैयार करने के निर्देश दे दिए हैं. पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, नौसेना और वायुसेना के प्रमुखों और सूडान में भारत के राजदूत समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. बैठक के दौरान, पीएम मोदी ने सूडान में हाल के घटनाक्रमों का आकलन किया. साथ ही वहां रहे करीब 3,000 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर और जमीनी हालात पर रिपोर्ट ली. प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक पीएम ने सूडान में हुई एक भारतीय नागरिक की मौत पर शोक व्यक्त जताया. केरल के रहने वाले ऑगस्टीन की मृत्यु एक स्ट्रे बुलेट (रास्ता भटकी हुई गोली) का निशाना बन जाने के कारण हुई थी. बैठक के दौरान पीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और वहां के हालात पर करीब से नज़र रखने के निर्देश दिए. साथ ही सूडान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का लगातार मूल्यांकन करने और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने को भी कहा। इसके लिए दूतावास और विदेश मंत्रालय कंट्रोल रूम को भारतीय नागरिकों से लगातार संवाद बनाए रखने के लिए कहा गया है. पीएम ने तेज़ी से बदलते हालात के मद्देनजर आकस्मिक रणनीति और खासतौर पर निकासी योजनाओं की तैयारी तथा विभिन्न विकल्पों के आकलन के लिए भी निर्देशित किया. बैठक में तय किया गया कि सूडान के निकटवर्ती देशों और अन्य अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ भी संपर्क बनाए रखना है. इस बीच सूडान में RSF ने 72 घंटे के संघर्ष विराम की घोषणा की है. ऐसे में भारत समेत कई देश इस संघर्ष विराम के बीच युद्ध क्षेत्र में तब्दील हुई राजधानी ख़ारतूम और अन्य प्रभावित इलाकों से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने का दरवाजा तलाश रहे हैं।

इन देशों के संपर्क में है भारत

इस बीच भारत संयुक्त राष्ट्र संघ और अमेरिका, सऊदी अरब, ब्रिटेन, UAE, मिस्र समेत अन्य देशों के भी संपर्क में है. ताकि ज़रूरत पड़ने पर सूडान के पड़ोसी देशों की मदद से भी निकासी अभियान चलाया जा सके. सूत्रों के मुताबिक फिलहाल कोशिश है कि भीषण लड़ाई वाले इलाकों से लोगों को अपेक्षाकृत सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा सके. ध्यान रहे कि बीते सप्ताह शुक्रवार शुरु ही लड़ाई के बाद से हालात लगातार खराब बने हुए हैं. ख़ारतूम एयरपोर्ट और उसके नज़दीक का इलाका सबसे ज़्यादा प्रभावित है जहां भारतीय दूतावास भी मौजूद है. रिपोर्ट हैं कि दूतावास कई इमारत भी लड़ाई के दौरान निशाना बनी है. हालांकि विदेश मंत्रालय ने इस बात की तस्दीक की है कि सभी भारतीय राजनयिक सुरक्षित हैं और लगातार लोगों के साथ संपर्क में हैं।

छह सीपीएस को नोटिस

शिमला। मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली वाली याचिका पर हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार के छह मुख्य संसदीय सचिवों (सीपीएस) को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते में जवाब तलब किया है। न्यायाधीश संदीप शर्मा और न्यायाधीश विरेंदर सिंह की खंडपीठ ने मामले की आगामी सुनवाई 19 मई को निर्धारित की है। पीपल फॉर रिस्पांसिबल गवर्नेंस संस्था की ओर से दायर याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने यह आदेश पारित किया। याचिका में राज्य के मुख्य सचिव (सीएस) सहित प्रधान सचिव वित्त को प्रतिवादी बनाया गया है। अर्की विधानसभा क्षेत्र से सीपीएस संजय अवस्थी, कुल्लू से सुंदर सिंह, दून से राम कुमार, रोहड़ू से मोहन लाल ब्राक्टा, पालमपुर से आशीष बुटेल और बैजनाथ से किशोरी लाल की बतौर संसदीय सचिव नियुक्ति को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट के समक्ष इसी तरह की एक और याचिका दायर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि संविधान के अनुसार सीएम भी इनकी नियुक्ति नहीं कर सकते।

पुंछ हमला: आतंकियों की खोज में जुटी सेना, घने जंगल में ड्रोन, खोजी कुत्तों और हेलीकॉप्टर से सर्च ऑपरेशन

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बृहस्पतिवार को हुए एक आतंकवादी हमले में पांच जवानों के शहीद होने के बाद बाटा-डोरिया क्षेत्र के घने जंगल में सुरक्षा बलों ने एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया है. अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को इस अभियान में ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल किया गया. वहीं एक एमआई हेलिकॉप्टर ने घने वन क्षेत्र की टोह ली है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम ने घटना स्थल का दौरा किया और इलाके और उस वाहन का निरीक्षण किया जिस पर हमला किया गया था. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह, एडीजीपी मुकेश सिंह सहित पुलिस और सेना के शीर्ष अधिकारियों ने इस अभियान की समीक्षा की. अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को घेर लिया गया है और आतंकवादियों को खोजने के लिए ड्रोन एवं खोजी कुत्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

यह जवान हुए थे शहीद

अधिकारियों के अनुसार नियंत्रण रेखा के पास कड़ी सतर्कता बरती जा रही है और भीम्बर गली-पुंछ मार्ग पर यातायात रोक दिया गया है. लोगों को मेंढर के रास्ते पुंछ जाने की सलाह दी गई है. शहीद हुए जवानों की पहचान हवलदार मंदीप सिंह, लांसनायक देबाशीश बस्वाल, लांसनायक कुलवंत सिंह, सिपाही हरकृष्ण सिंह और सिपाही सेवक सिंह के रूप में की गई है.

पैतृक गांव भेजे शहीद जवानों के पार्थिव शरीर

राजौरी में एक कार्यक्रम में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के बाद, ओडिशा में पुरी जिले के अलगुम सामी गांव के लांस नायक देबाशीष के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए हवाई मार्ग से उनके पैतृक स्थान ले जाया गया. मंदीप सिंह, कुलवंत सिंह, हरकृष्ण सिंह और सेवक सिंह के पार्थिव शरीर सड़क मार्ग से उनके पैतृक स्थानों पर भेजे जा रहे हैं।

ऋषिकुल आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय को मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाने के लिए एली क्लब ने दिया ऑक्सीजन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। एसोसिएशन ऑफ एलायंस क्लबस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 179N ने ऋषिकुल आयुर्वेदिक विश्विद्यालय हरिद्वार कैम्पस को एक नम्बर Oxygen Concentrator कैम्पस डाइरेक्टर डा दिनेश सिंह तथा प्रो. ओम प्रकाश सिंह को भेंट किया । इसका उपयोग मरीजों को आक्सीजन उपलब्ध करवाने से किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सको के। अतिरिक्त एलायंस क्लबस इंटरनेशनल के भूतपूर्व अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष एली अविनाश ओहरी, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एली श्रीराम गुप्ता, VDGI एली सुखपाल सिंह राना, कैबिनेट सचिव एली मनोज शर्मा कोषाध्यक्ष एली अश्विनी मित्तल के अतिरिक्त संस्था के मुख्य सलाहकार एली अरूण कुमार दादू और ऋषिकुल के वरिष्ठ चिकित्सक भी मौजूद रहे। संचालन डा संजय त्रिपाठी ने किया।

पीएसएलवी-सी55/ टेलीओएस-2 मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू

श्रीहरिकोटा। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के जरिए सिंगापुर के दो उपग्रहों का प्रक्षेपण करने के लिए शुक्रवार को यहां सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में 22.5 घंटे की उलटी गिनती शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी। यह न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के माध्यम से प्राथमिक उपग्रह के रूप में 'टेलीओएस-2' और सह-यात्री उपग्रह के रूप में 'ल्यूमलाइट-4' के साथ एक समर्पित वाणिज्यिक मिशन है जिसे इसरो के भरोसेमंद पीएसएलवी-सी 55 द्वारा पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा। मिशन के तहत 44.4 मीटर लंबा रॉकेट प्रथम लॉन्च पैड से शनिवार को अपराह्न 2.19 बजे चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर दूर स्थित अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपण के लिए तैयार है।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

सबसे ज्यादा हिंदुस्तानी

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की ताजा रपट के मुताबिक, भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है। चीन को पीछे छोड़ दिया गया है। फरवरी, 2023 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत की आबादी 142.86 करोड़ और चीन की 142.57 करोड़ है। भारतीय चीनियों की तुलना में 29 लाख अधिक हो गए हैं। यह सिलसिला अब जारी रहेगा, क्योंकि हमारी औसत प्रजनन दर करीब 2 फीसदी है, लिहाजा आबादी लगातार बढ़ती रहती है। जब भारत अपनी आजादी का शतक पूरा कर चुका होगा, उसके बाद 2050 में हमारी आबादी 166.8 करोड़ से ज्यादा होगी। चीन से तुलना बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि 2100 आने तक उसकी आबादी सिकुड़ कर 76 करोड़ के करीब रह सकती है। भारत दुनिया का सबसे 'युवा देश' है। करीब 66 फीसदी आबादी 35 साल की उम्र से कम है। भारत में 15-64 आयु-वर्ग की आबादी करीब 68 फीसदी है। इस आयु-वर्ग को 'कामकाजी' माना जाता है। 19-40 के आयु-वर्ग के 53 करोड़ हिंदुस्तानी हैं, जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हीं के दम पर भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' बनेगा। युवा आबादी हमारे लिए 'शक्ति-पुंज' है।

दुनिया का सबसे बड़ा बाजार, सबसे युवा कार्य-बल और सबसे सस्ता श्रम-बल भारत में उपलब्ध है, लिहाजा हम दुनिया के 'बाजार-बादशाह' हैं। दुनिया के उदाहरण सामने हैं कि यदि अमरीका, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया सरीखे देशों ने असीम सफलताएं हासिल की हैं, तो सिर्फ अपनी युवा आबादी के बल पर ही३। चूंकि अब उनकी आबादी बुढियाने लगी है, तो काम के संकट भी पैदा हो रहे हैं। सामूहिक ताकत, ऊर्जा, कौशल, कारोबार, उत्पादन आदि के संदर्भ में 'सबसे ज्यादा हिंदुस्तानी' होने की खबर सुखद है। उम्मीद और संभावनाओं के व्यापक आसमान खोलती है, लेकिन चिंताएं और चुनौतियां भी मौजूद हैं। दुनिया की 800 करोड़ से ज्यादा की आबादी में भारत की हिस्सेदारी 17.77 फीसदी है, लेकिन हमारा भू-भाग मात्र 2.5 फीसदी है। संसाधन भी सीमित हैं। हालांकि भारत की इतनी आबादी होने के बावजूद हमारे सामने भुखमरी और सूखा-अकाल के हालात नहीं हैं, लेकिन देश के रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मेट्रो स्टेशनों, अस्पताल, स्कूल, बाजारों, राशन के डिपो से लेकर 5 किलो मुफ्त अनाज के वितरण-केंद्रों आदि तक पर जब जन-सैलाब देखते हैं, तो असंतुलन का खौफ पैदा होने लगता है। असंख्य चेहरे आंदोलित होते हैं, किसान अपनी फसल को जलाने को विवश होते हैं और बेरोजगार युवा आक्रोश में आकर तोड़-फोड़ करने लगते हैं, तो आबादी का 'शक्ति-पुंज' ही देश को जलाता हुआ लगता है। सब कुछ सवालिया हो जाता है। बेशक भारत में बहुत कुछ बदल चुका है। देश में करीब 50 करोड़ कामगार हैं। यदि 15 साल से अधिक उम्र के कामगारों को भी जोड़ लिया जाए, तो यह आंकड़ा 100 करोड़ को छू सकता है। इतने कामगार दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। चीन को छोड़ दें, तो अमरीका, यूरोप, अफ्रीका की इतनी आबादी भी नहीं है। देश की तकनीकी कंपनियों में करीब 54 लाख लोग कार्यरत हैं। 2022-23 के दौरान इन कंपनियों ने 2.90 लाख लोगों को नौकरियां दी हैं। मार्च तिमाही में रोजगार दर करीब 37 फीसदी थी। हमारे देश में महिला कामगारों की संख्या भी काफी है, हालांकि इस संदर्भ में अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। भारत में दक्ष कामगारों की बदौलत हम 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकते हैं।

अनुसूचित जाति आरक्षण में नए दावेदार

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत की कुछ जातियों की एक सूची तैयार की गई है जिसके कारण इन जातियों को अनुसूचित जाति के नाम से जाना जाता है। अंग्रेजी भाषा में इसे संक्षेप में एससी कहा जाता है। इस सूची में शामिल जातियों के लोगों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। भारतीय या हिंदू सामाजिक व्यवस्था में इन जातियों के साथ इनकी जाति के कारण ही भेदभाव किया जाता है। उनके साथ दूसरी जातियों के लोग खाते-पीते नहीं हैं। उनकी बस्तियां गांव से बाहर होती हैं। इतना ही नहीं कई जातियों को तो अछूत ही मान लिया जाता है। शादी विवाह में खाने के लिए इन जातियों के लोगों की पंक्ति कई जगह अलग लगा दी जाती है। यह हिंदू समाज का भीतरी रोग है जिसे दूर करने के अनेक उपाय सदियों से होते रहे हैं। बाबा साहिब अंबेडकर ने एक बार कहा था कि यह हिंदू समाज का गुण है कि वह समय समय पर अपने भारत आ गई बीमारियों को दूर करने के प्रयास भी करता रहता है। भेदभाव की बीमारी को दूर करने और सामाजिक समरसता स्थापित करने के अनेक उपाय किए जाते रहे हैं। उनमें से एक उपाय है अनुसूचित जातियों का सशक्तिकरण।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण उनमें से मात्र एक प्रावधान है। सत्ता में भागीदारी दूसरा प्रावधान है। यही कारण है कि विधान सभाओं व लोकसभा में भी अनुसूचित जातियों के प्रत्याशियों के लिए कुछ सीटें आरक्षित रखी जाती हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों से भारत में रह रहे एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल-मंगोल) मूल के मुसलमान एक बड़े अभियान में लगे हुए हैं। उनकी कोशिश है कि भारत के देसी मुसलमान (डीएम) को भी अनुसूचित जाति की तर्ज पर आरक्षण दिलवाया जाए। लेकिन उनके दुर्भाग्य से इस्लाम में जाति की कोई अवधारणा नहीं है। सामाजिक व्यवस्था में जाति की अवधारणा केवल हिंदू समाज में ही है। यह सामाजिक व्यवस्था अच्छी है या बुरी है, यह एक अलग प्रश्न है। लेकिन इस व्यवस्था के अस्तित्व से कोई इन्कार नहीं कर सकता। जिनको आज की वैधानिक शब्दावली में एससी कहा जाता है, उनमें से बहुत सी जातियां एटीएम के शासन काल में इस्लाम में शामिल कर ली गई थीं। ऐसा नहीं कि इन जातियों ने इसका विरोध नहीं किया। बल्कि यदि इतिहास को सही रूप से परखा जाए तो अरबों, तुर्कों व मुगल हमलावरों से स्थान स्थान पर इन्हीं जातियों के लोगों ने मुकाबला किया। परन्तु हमलावरों की विजय के बाद, इसका सबसे ज्यादा दंश भी इन्हीं जातियों को झेलना पड़ा।

इनको इस्लाम में शामिल किया जाना भी इसी का परिणाम था। परन्तु 1947 के बाद देश में से सभी विदेशी शासकों मसलन- अरबों, तुर्कों, मुगलों, पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों व अंग्रेजों के शासन का अन्त हो गया। देश में लोकतन्त्र की स्थापना हुई। नई शासन व्यवस्था में अनुसूचित जातियों को भी हिस्सेदारी मिली। इसलिए यह सुगबुगाहट भी होने लगी कि इन जातियों के जो लोग इस्लाम में धकेल दिए गए थे, वे वापिस अपने घर लौट आएं। इस सुगबुगाहट से एटीएम मूल के मुसलमान घबरा गए। उनकी घबराहट समझ में आती थी। एटीएम भारत में अभी भी इन्हीं देसी मुसलमानों के बलबूते अपना उल्लू सीधा कर रहा है। उनकी संख्या आटे में नमक के बराबर भी नहीं है, लेकिन वह देसी मुसलमानों को हांक कर, उनके संख्या बल पर विधान सभाओं या लोकसभा में पहुंचता है। देसी मुसलमान को मजहब की घुट्टी पिला कर स्वयं नौकरशाही में बड़े पद झटक लेता है। एटीएम को लगता है यदि देसी मुसलमान हिल गया तो एटीएम की हवेलियां धराशायी हो जाएंगी। इसलिए वह उसे आश्वस्त कर रहा है कि आप को भी अनुसूचित जाति की तजर्.पर आरक्षण दिलवा दिया जाएगा।

लेकिन यह कैसे सम्भव हो सकता है? बाबा साहिब अंबेडकर ने भी इस प्रश्न पर गहराई से विचार किया था। लेकिन उन्होंने देसी मुसलमान के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था करने से इन्कार कर दिया था। एटीएम ने इसका भी चोर दरवाजा खोज निकाला था। उसने सोनिया कांग्रेस से तालमेल बिठा कर भीमसेन सच्चर, जिन्होंने 1947 के बाद पाकिस्तान संविधान सभा का सदस्य बने रहने को वरीयता दी थी, के सुपुत्र राजेन्द्र सच्चर की अध्यक्षता में एक कमेटी बना दी थी। इस कमेटी ने अपनी रपट में कहा था कि भारत में मुसलमानों के साथ बहुत ही अन्याय हो रहा है। उनका शोषण हो रहा है और वे अत्यन्त पिछड़े हुए हैं। उसके कुछ साल बाद, यूपीए की सरकार ने ओडीशा के एक सज्जन रंगनाथ मिश्रा, जो कभी उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भी रह चुके थे, की अध्यक्षता में एक दूसरा आयोग गठित किया। इस आयोग ने भी राजेन्द्र सच्चर कमेटी की तजर्.पर वही घोषणा की कि देसी मुसलमान के साथ घोर अन्याय हो रहा है।

चारधाम यात्रा उत्तराखंड

अक्षय तृतीया को उत्तराखंड चारधामों में से 2 गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। इनके बाद 25 अप्रैल को केदारनाथ और 27 अप्रैल को बद्रीनाथ के कपाट खुलेंगे

अक्षय तृतीया को उत्तराखंड चारधामों में से 2 गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। इनके बाद 25 अप्रैल को केदारनाथ और 27 अप्रैल को बद्रीनाथ के कपाट खुलेंगे। ठंड और बर्फबारी की वजह से इन चार मंदिरों को शीतकाल के लिए बंद किया जाता है, गर्मी में जब मौसम ठीक हो जाता है, तब इन मंदिरों के कपाट खोले जाते हैं। उत्तराखंड के चारधाम मंदिर की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। यमुना नदी का उद्गम स्थल यमुनोत्री और गंगा नदी का उद्गम स्थल गंगोत्री है। ये दोनों धाम उत्तरकाशी जिले में हैं। शिव जी का 11वां ज्योतिर्लिंग केदारनाथ है। ये मंदिर रुद्रप्रयाग जिले में है। भगवान विष्णु का बद्रीनाथ धाम देश और उत्तराखंड के चारधामों में से एक है। ये मंदिर चामोली जिले में है।

यमुनोत्री धाम- यमुनोत्री धाम समुद्रतल से 3235 मी. की ऊंचाई पर है। यहां देवी यमुना का मंदिर है। यहीं यमुना नदी का उद्गम स्थल भी है। यमुनोत्री मंदिर टिहरी गढ़वाल के राजा प्रतापशाह ने बनवाया था। यमुनोत्री मंदिर का जीर्णोद्धार जयपुर की रानी गुलेरिया ने करवाया था।

गंगोत्री धाम- गंगोत्री से गंगा नदी का उद्गम होता है। यहां देवी गंगा का मंदिर है। समुद्रतल से ये मंदिर 3042 मीटर की ऊंचाई पर है। ये स्थान जि ला उत्तरकाशी से 100 किमी. की दूरी पर है। हर साल गंगोत्री मंदिर अप्रैल से अक्तूबर तक खोला जाता है। बाकी समय में यहां का वातावरण प्रतिकूल रहता है, इसीलिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। इस क्षेत्र में राजा भागीरथ ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिए तप किया था। शिवजी यहां प्रकट हुए और उन्होंने गंगा को अपनी जटाओं में धारण कर उसका वेग शांत किया था। इसी क्षेत्र में गंगा की पहली धारा भी गिरी थी।

केदारनाथ धाम- केदारनाथ उत्तराखंड के चार धामों में तीसरे नंबर पर है। ये 12 ज्योतिर्लिंगों में 11वां है और सबसे ऊंची जगह पर है। महाभारत काल में यहां शिवजी ने पांडवों को बेल के रूप में दर्शन दिए थे। ये मंदिर आदिगुरु शंकराचार्य ने बनवाया था। मंदिर करीब 3,581 वर्ग मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और गौरीकुंड से करीब 16 किमी. की दूरी पर है। ऐसा माना जाता है कि 8वीं और 9वीं सदी में आदिगुरु शंकराचार्य ने मौजूदा मंदिर बनवाया था।

बद्रीनाथ धाम- बद्रीनाथ के संबंध में कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने इसी क्षेत्र में तपस्या की थी। उस समय महालक्ष्मी ने बदरी यानी बेर का पेड़ बनकर भगवान विष्णु को छाया दी थी और खराब मौसम में रक्षा की थी। लक्ष्मी जी के इस समर्पण से भगवान प्रसन्न हुए थे और उन्होंने इस जगह को बद्रीनाथ नाम से प्रसिद्ध होने का वर दिया था। बद्रीनाथ धाम में विष्णुजी की एक मीटर ऊंची काले पत्थर की मूर्ति स्थापित है। आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा निर्धारित की गई व्यवस्था के अनुसार बद्रीनाथ मंदिर का मुख्य पुजारी दक्षिण भारत के केरल राज्य से होता है। ये मंदिर करीब 3100 मीटर ऊंचाई पर स्थित है।

वैद्यानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठोस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री धामी ने सुनी जन समस्याएं

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में जन ससमयाओं को सुना। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। लोगों ने स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार, जमीन से संबंधित एवं अन्य समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी समस्याएं लोगों द्वारा रखी गई है, उनका शीघ्र समाधान किया जायेगा। अधिकांश जन समस्याओं एवं शिकायतों का उन्होंने मौके पर ही समाधान किया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आज जो भी जन शिकायतें एवं समस्याओं के लिए पत्र प्राप्त हुए हैं उनको समाधान के लिए शीघ्र संबंधित अधिकारियों को भेजा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी समस्याओं एवं शिकायतों पर हुई कार्यवाही का वे स्वयं भी फीडबैक लेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अनावश्यक रूप से लोगों के कार्यों को अटकाया जा रहा है या विलंब किया जा रहा है, उन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान तेजी से हो इसके लिए जिलाधिकारियों को प्रत्येक कार्य दिवस में दो घंटे जन समस्याओं को सुनने के निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री जनपदों के भ्रमण के दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लगातार फीडबैक ले रहे हैं। जिलाधिकारियों को जनपदों में जनता दरबार, तहसील दिवस एवं बीडीसी की नियमित बैठकें करने के निर्देश दिये गये हैं।

इस अवसर पर हरिद्वार जनपद के खेड़ी शिकोहपुर के एक व्यक्ति ने शिकायत की कि लेखपाल द्वारा उनकी वास्तविक जमीन को फरद में कम दिखाया गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि इसकी जांच कराई जाए, यदि शिकायत सत्य पाई जाती है, तो संबंधित पर सख्त कार्रवाई की जाए। एक व्यक्ति द्वारा अपने कमर का ईलाज करवाने के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उनका ईलाज एम्स ऋषिकेश में करवाने का निर्देश दिया। एक व्यक्ति द्वारा देहरादून से रसिया महादेव तक बस सेवा शुरू करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका परीक्षण कराकर उचित कार्यवाही की जायेगी।

इस अवसर पर एडीजी वी. मुरूगेशन, अपर सचिव जगदीश चन्द्र काण्डपाल एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से उत्तराखण्ड तीर्थ पुरोहित महापंचायत के सदस्यों ने की भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को सांय मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में उत्तराखण्ड चारधाम तीर्थपुरोहित महापंचायत के सदस्यों ने महामंत्री श्री बृजेश सती के नेतृत्व में भेंट की। उन्होंने चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं तथा यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से देव दर्शन की व्यवस्था के निर्णय के प्रति मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम व सफल हो इसके लिये हम सबको सहयोगी बनना होगा ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु हमारी देवभूमि के संदेश को देश व दुनिया में पहुंचाने में भी मददगार बने। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहित प्रशांत डिमरी, संजय तिवारी, आचार्य लक्ष्मी पाण्डे आदि उपस्थित थे।

सैमसंग ने सॉल्व फॉर टुमारो इन्नोओवेशन प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किए आवेदन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। देहरादून स्थित देहरादून प्रौद्योगिकी संस्थान में सैमसंग इंडिया द्वारा आयोजित शिक्षा और नवाचार रोड शो में कॉलेज के 500 जोश से भरे युवा छात्रों ने वे राज्य और देश की जनता और समुदायों की उन सबसे भारी समस्याओं का समाधान करने की इच्छ व्यक्त की है जिनका सामना आज वे कर रहे हैं यह रोड शो सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो प्रतियोगिता के दूसरे सीजन के लिए आयोजित किया गया था। देहरादून में छात्रों ने जो लड़के और लड़कियों के लिए शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से भी आए थे ने कहा कि वे त्वरित पुनर्चक्रण के लिए कचरा निपटान ऐप, एक पोर्टेबल थायराइड टेस्टमशीन, ऑटोमेटेड कचरा पृथक्करण, एक किफायती एक्स-रे मशीन और टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स की मदद करने जैसे आइडिया के साथ वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करना चाहते हैं। श्री ह्यून किम कॉर्पोरेट वाइस प्रेजीडेंट सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने कहा सैमसंग में युवाओं की शक्ति का सदुपयोग हमारी प्राथमिकता है। यही हमें और हमारे वैश्विक सीएसआर विजन टुगेदर फॉर टुमॉरो इनेबलिंग पीपल को संचालित करता है। युवाओं द्वारा अपने आसपास के समुदायों को प्रभावित करने वाले वास्तविक जीवन के मुद्दों में उठाने से उन्हें प्रत्यक्ष रूप से यह देखने का मौका मिलता है कि वे दुनिया में क्या बदलाव ला सकते हैं। सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के साथ हम युवाओं को अवसर देने के साथ-साथ देश में इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करने में अपनी भूमिका को निभाते हुए सरकार के विजन और पॉवरिंग डिजिटल इंडिया के हमारे अपने विजन को आगे बढाना चाहते हैं। सैमसंग के ग्लोबल सीएसआर प्रोग्राम सॉल्व फॉर टुमॉरो पर चर्चा करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने कहा कि उन्हें अपने आइडियाज को क्रियान्वित करने के लिए मार्गदर्शन और समर्थन देने के लिए सॉल्व फॉर टुमॉरो जैसे प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। उन्होंने उन नवीन तकनीक के बारे में बात की जिनका उपयोग वे समस्याओं का समाधान करने में कर सकते हैं। सैमसंग ने बीते दिनों राष्ट्रीय शिक्षा और नवाचार प्रतियोगिता सॉल्व फॉर टुमॉरो के दूसरे सीजन के लिए इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, आईआईटी दिल्ली के साथ अपनी पार्टनरशिप की घोषणा की थी। सॉल्व फॉर टुमॉरो के साथ, सैमसंग का लक्ष्य देश के युवाओं के बीच नवीन सोच और समस्या समाधान की संस्कृति की शुरूआत करना है। शीर्ष तीन टीमों को अपने आइडियाज को क्रियान्वित करने के लिए 1.5 करोड़ रुपये की राशि दी जाएगी। साथ ही, शीर्ष 30 और शीर्ष 10 में पहुंचने वाले अन्य प्रतिभागियों को कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में पुरस्कृत किया जाएगा।

केदारनाथ यात्राः बाबा केदार की डोली ने ओंकारेश्वर मंदिर से धाम के लिए किया प्रस्थान, आज पहुंचेगी पहले पड़ाव

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

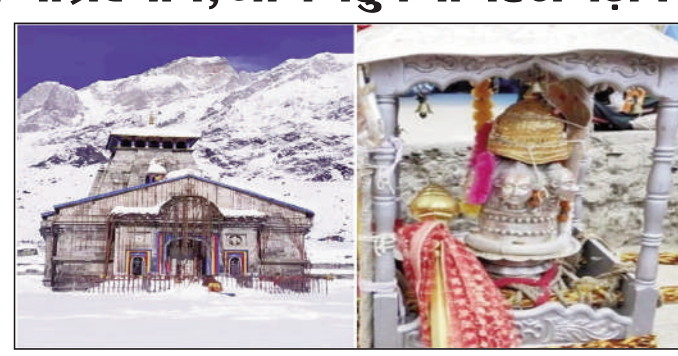

देहरादून। 25 अप्रैल को सुबह 6:10 बजे बाबा केदारनाथ के कपाट खुल जाएंगे भगवान केदारनाथ की पंचमुखी भोग मूर्ति चल विग्रह उत्सव डोली 22 को फाटा, 23 को गौरीकुंड में रात्रि प्रवास करते हुए डोली 24 अप्रैल को अपने धाम पहुंचेगी।

शुक्रवार सुबह 9:00 बजे भगवान केदारनाथ की पंचमुखी भोग मूर्ति चल विग्रह उत्सव डोली में विराजमान होकर पंच केदार गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से अपने धाम के लिए प्रस्थान किया। सेना की बैंड दोनों और भक्तों के जयकारों के बीच डोली पहले पड़ाव पर रात्रि प्रवास के लिए विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंचेगी।22 को फाटा, 23 को गौरीकुंड में रात्रि प्रवास करते हुए डोली 24 अप्रैल को अपने धाम पहुंचेगी 25 अप्रैल को सुबह 6:10 बजे कपाटोद्घटन होगा। वही भगवान भैरवनाथ की विशेष पूजा अर्चना के साथ केदारनाथ धाम के कपाट खोलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है भगवान केदारनाथ की निवेदन यात्रा के लिए क्षेत्रपाल के रूप में पूजे जाने वाले भगवान भैरवनाथ की आराधना की गई साथ ही देवता की पूरी पकौड़ी से बनी माला उसे श्रंगार कर अष्टदाश आरती उतारी गई। बाल भोग के बाद भगवान भैरवनाथ को महा भोग लगाया गया केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग की अगुवाई में शिवाचार्य मां स्वामी केदार लिंग, पुजारी शिव शंकर लिंग, बागेश लिंग, गंगाधर लिंग द्वारा अष्टदाश आरती उतारी गई वही मंदिर के वेद पार्टी विश्व मोहन जमलोकी, यशोधर मैठानी, नवीन मैठानी, मृत्युंजय हीरेमठ, आशाराम नौटियाल के वेद मंत्रोच्चारण के बीच सभी धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया गया।

चारधाम यात्रा 2023: परेशानी होने पर इन नंबरों पर करें संपर्क

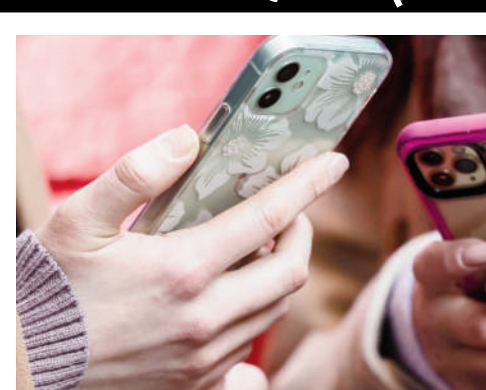

चारधाम यात्रा : यात्रा शुरू होने के बाद भी बर्फबारी हुई तो तीर्थयात्रियों की मुश्किल बढ़ सकती है जिसको देखते हुए पर्यटन विभाग ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है। केदारनाथ में यमुनोत्री धाम में तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिए सीमित संख्या है यात्रा शुरू होने पर बर्फबारी भी यात्रियों की परीक्षा लेगी हालांकि अभी तक प्रशासन व पुलिस की ओर से यात्रियों से अपील की जा रही है कि मौसम को देखते हुए यात्रा करें पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग डॉक्टर विशाखा अशोक बधाणे का कहना है कि केदारनाथ धाम में 25 अप्रैल को मौसम की स्थिति को देखते हुए निर्णय लिया जाएगा।

यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पुख्ता इंतजाम ,23 मेडिकल रिलीफ पॉइंट बनाएं

इन नंबरों पर करें संपर्क

चार धाम यात्रा के लिए पर्यटन विभाग ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है यात्रा के दौरान कोई भी समस्या आने पर कंट्रोल रूम के नंबर 0135-2559898, 2552 627 या चार धाम यात्रा टोल फ्री नंबर 1364 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के लिए 104 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर संपर्क कर सकते हैं।

अब तक पंजीकरण की संख्या

धाम	पंजीकरण की संख्या
केदारनाथ	567188
बद्रीनाथ	4790 89
यमुनोत्री	245149
गंगोत्री	286896
हेमकुंड साहिब	9857

चार धाम यात्रा के लिए सैफ पार्किंग निरंजनी अखाड़ा हरिद्वार से श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। शनिवार को अक्षय तृतीया के दिन चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है। हरिद्वार लग्जरी कोचेस वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मायापुर स्थित सेफ पार्किंग से पहली बार चार धाम यात्रा का जत्था रवाना किया गया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद एवं पूर्व विधायक संजय गुप्ता, एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश गोयल,एआरटीओ रश्मि पंत, एआरटीओ रत्नाकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, महंत गंगा गिरी ने 25 लग्जरी वाहनों से चारधाम यात्रियों के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। पहली बार हरिद्वार से जत्था रवाना हुआ है। इससे पहले ऋषिकेश से रवाना होता था।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि सरकार चार धाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को सरल व सुगम यात्रा देने का प्रयास कर रही है। इसके लिए सरकार ने सभी व्यवस्थाएं कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार पूरी तरह गंभीर है और चार धाम यात्रा को लेकर सभी व्यवस्थाएं बेहतर की गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहले ही सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चार धाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए और एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश गोयल को दी बधाई। लक्सर के पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चार धाम यात्रा को लेकर स्वयं मॉनिटरिंग करते आए हैं।इस बार भी यात्रा को लेकर पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हरिद्वार लग्जरी कोचेस वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश गोयल ने बताया कि इस बार यात्रियों की सुविधा के लिए लग्जरी बसों और गाड़ियों की व्यवस्था की है।ताकि चार धाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालु।को अच्छी गाड़ी व सुविधा प्रदान कर सकें।और चालकों से आग्रह किया श्रद्धालुओं से सही व्यवहार करें।श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो।

हरिद्वार के निरंजनी अखाड़ा की सैफ पार्किंग से हरिद्वार लग्जरी कोचेस वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से करीब 25 लग्जरी गाड़ी, टैंपो ट्रेवल्स ने बस से करीब 200 श्रद्धालु को भेजा। हरिद्वार लग्जरी कोचेस वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं को फूलों की माला पहनाकर किया स्वागत। इस अवसर पर दून वैली कांटेक्ट केरिज यूनियन के अध्यक्ष कृष्णा पंत,हरमोहन सिंह, नरेश गोयल, टैक्सी मैक्सी ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश भाटिया, हरीश भाटिया संजय संजय शर्मा, अवतार सिंह, ट्रेवल्स एसोसिएशन हरिद्वार उमेश पालीवाल, कोणार्क, पुष्पित, जायसवाल, चंद्रकांत, गोपाल छिब्बर, बबलू ठाकुर, ट्रेवल केयर, हरदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

विधायक और मेयर ने किया सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

हरिद्वार। वार्ड 42 के वाल्मिकी बस्ती में मेयर अनिता शर्मा, विधायक रवि बहादुर और स्थानीय पार्षद दीपिका बहादुर ने नारियल फोड़कर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मेयर अनीता शर्मा ने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य किए जा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों से जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। विधायक रवि बहादुर ने कहा कि कांग्रेस विकास कार्यों के लिए कटिबद्ध है। इस वर्ष होने वाले नगर निगम चुनाव में कांग्रेस का बोर्ड बनेगा और रुके हुए विकास कार्य तेजी से होंगे। पार्षद दीपिका बहादुर ने कहा कि वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से बोर्ड बैठक में उठाया गया है। वार्ड के प्रत्येक कॉलोनी में सड़क, नाली, बिजली, पानी आदि की समस्याओं को दूर किया गया। इस अवसर पर बीडीसी सदस्य तनुज चौहान, सागर बेनीवाल, अशोक कुमार, सुनील राजौर, सुरेंद्र, बंटी चंचल, सुलेख, अमूल, राजा वाल्मिकी, मनीष, विशू, मयंक, अनिल कपूर आदि उपस्थित रहे।

आरबीआई ने डिप्यूटी मैनेजिंग डायरेक्टर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करने की दी मंजूरी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। भारतीय रिजर्व बैंक ने 19 अप्रैल 2023 से तीन साल की अवधि के लिए एचडीएफसी बैंक के उप प्रबंध निदेशक के रूप में श्री कैजाद भरूचा और बैंक के कार्यकारी निदेशक के रूप में श्री भावेश झावेरी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उपर्युक्त नियुक्तियों को प्रभावी करने के लिए अन्य बातों के साथ-साथ बैंक के निदेशक मंडल की बैठक नियत समय पर बुलाई जाएगी। श्री कैज़ाद भरूचा की संक्षिप्त प्रोफ़ाइलः- श्री कैज़ाद भरूचा 35 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक करियर बैंकर हैं। वह 1995 से बैंक से जुड़े हुए हैं। कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी वर्तमान स्थिति में, वे कॉर्पोरेट बैंकिंग, पीएसयू, पूंजी और कमोडिटी बाजार, वित्तीय संस्थानों, हिरासत, म्युचुअल फंड, वैश्विक क्षमता केंद्र और वित्तीय के क्षेत्रों को कवर करने वाले थोक बैंकिंग, प्रायोजक कवरेज, और बैंक कवरेज के लिए जिम्मेदार हैं। कार्यकारी निदेशक के रूप में अपने पहले के पद पर वे कॉर्पोरेट बैंकिंग, उभरते कॉर्पोरेट समूह, व्यवसाय बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा वित्त, कृषि ऋण, ट्रैक्टर वित्तपोषण, वाणिज्यिक वाहन वित्त, वाणिज्यिक उपकरण वित्त, बुनियादी ढांचा वित्त, विशेष संचालन विभाग और समावेशी बैंकिंग के लिए जिम्मेदार थे। पहल समूह। बैंक में वे प्रमुख परिचालन समितियों में कार्यरत हैं। वह नामित निदेशक, वित्तीय खुफिया इकाई (FIU) और नामित निदेशक, आंतरिक लोकपाल समिति भी हैं। श्री भरूचा के पास रिस्क मैनेजमेंट, क्रेडिट मैनेजमेंट, बैंकिंग और बिजनेस मैनेजमेंट का समृद्ध और व्यापक अनुभव है। श्री भरूचा पहले एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और इंटरनेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में रह चुके हैं। बैंक में शामिल होने से पहले उन्होंने ट्रेड फाइनेंस और कॉर्पोरेट बैंकिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में एसबीआई कमर्शियल और इंटरनेशनल बैंक में काम किया। उन्होंने बाहरी बैंकिंग संबंधी समितियों में भी बैंक का प्रतिनिधित्व किया है। श्री भावेश झावेरी की संक्षिप्त रूपरेखाः श्री भावेश झावेरी एचडीएफसी बैंक के समूह प्रमुख - संचालन, नकदी प्रबंधन और एटीएम उत्पाद हैं। अपनी वर्तमान भूमिका में वे देश भर में व्यापार और संचालन के लिए जिम्मेदार हैं और बैंक के विविध उत्पाद सूट में कॉरपोरेट, एमएसएमई और रिटेल वर्टिकल के लिए एसेट, देनदारियों और लेनदेन के लिए एक निर्दोष संचालन निष्पादन क्षमता बनाने और वितरित करने के लिए जिम्मेदार हैं। भुगतान और नकद प्रबंधन, व्यापार वित्त और खजाना, और एटीएम उत्पाद की सेवाएं। उनके पास 36 से अधिक वर्षों का समग्र अनुभव है और उन्होंने बैंक में संचालन, नकदी प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के महत्वपूर्ण कार्यों का नेतृत्व किया है। श्री झावेरी 1998 में परिचालन समारोह में बैंक में शामिल हुए। वह वर्ष 2000 में बिजनेस हेड - होलसेल बैंकिंग ऑपरेशंस बने और 2009 में उन्हें ग्रुप हेड - ऑपरेशंस के रूप में नियुक्त किया गया।

ॐ आरोग्यम योग मंदिर द्वारा आयोजित योग महात्सव का शुभारम्भ किया

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। ॐ आरोग्यम योग मंदिर हरिद्वार द्वारा आज योग महोत्सव का शुभारंभ डीपीएस दौलतपुर मे बच्चों को योग अभ्यास करा कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ योगी रजनीश, श्रीमती पूनम श्रीवास्तव, अर्चना शर्मा, इतिका आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। योग महोत्सव मे स्कूल के बच्चों एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम को संचालित करते हुए योगी रजनीश ने सभी को योग की महत्ता से अवगत कराते हुए कहा कि योगाभ्यास से मनुष्य अपने तन मन को स्वस्थ रखने के साथ ही जीवन के हर क्षेत्र में सफलता को प्राप्त कर सकता है। योग के द्वारा मनुष्य की नकारात्मक ऊर्जा सकारात्मक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है जिससे मनुष्य जो भी कार्य करता है उसने उसे निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होती है। योग अभ्यास से मनुष्य बिना कुछ खर्च किए स्वयं को स्वस्थ रख सकता है तथा समाज के विकास में अपना योगदान प्रदान कर सकता है। योगी जी ने आगे कहा कि निश्चित रूप से योग सभी के लिए आवश्यक है परंतु बच्चे हमारे समाज का भविष्य है अतः यदि वे स्वस्थ तथा सकारात्मक रहेंगे तो निश्चित रूप से समाज एक अच्छी दिशा में आगे बढ़ेगा। आज बच्चे केवल पढ़ाई के क्षेत्र में ही आगे नहीं है अपितु खेलकूद गायन नृत्य आदि अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करके वे अपने माता-पिता, विद्यालय तथा समाज का नाम रौशन कर रहे हैं, ऐसे में यदि बच्चे योग को अपनाते हैं तो उनकी प्रतिभा को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। यदि मन एकाग्र होगा चित्त शांत होगा तथा शरीर स्वस्थ होगा तो निश्चित रूप से यह उनके प्रदर्शन में प्रत्यक्ष रुप से दिखाई देगा।

तत्पश्चात योगी जी ने सभी को योगासनों के साथ-साथ प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। योगी जी ने कहा कि आज मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है अतः योग ही एकमात्र ऐसा साधन है जिसके द्वारा हम अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं तथा एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

आज हमारा समाज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है उसमें बच्चों के अंदर एक प्रतिस्पर्धात्मक वृत्ति दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और परिवार भी उनसे अपेक्षा करता है कि बच्चे प्रथम स्थान पर ही आए जिससे बच्चों के अंदर तनाव बढ़ता चला जा रहा है इसके चलते कई बच्चे गलत कदम तक उठाने पर मजबूर हो जाते हैं। परंतु योग द्वारा जब मानसिक शांति और बौद्धिक विकास जागृत होगा तो हम इन समस्याओं से भी बाहर निकल सकेंगे। प्रधानाचार्या पूनम श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे लिए बहुत प्रसन्नता का विषय है कि आज योग महोत्सव का शुभारम्भ हमारे डीपीएस दौलतपुर से की गई है।

अर्चना शर्मा ने बताया कि योग महोत्सव आज से प्रारंभ होकर 26 तारीख तक अनवरत रूप से हरिद्वार में विभिन्न स्थानों पर चलता रहेगा उन्होंने कहा कि उत्तम जीवन शैली जीने का नाम योग है, अतः आइए हम सब मिलकर योग द्वारा अपने जीवन को तथा समाज को एक बेहतर दिशा की ओर ले चलें।

मॉर्टीन स्मार्ट प्लस लांच, स्विच ऑफ करने के 2 घंटे बाद भी मिलेगी मच्छरों से सुरक्षा

नई दिल्ली। घरेलू कीटनाशक ब्रांड मॉर्टीन ने तकनीकी रूप से एडवांस अपने नए लिक्विड वेपोराइजर मॉर्टिन स्मार्ट प्लस के लांच की घोषणा की है। गुरुग्राम में पीवीआर सिनेमा में ग्राहकों के साथ एक खास कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने इसको लांच किया जो स्विच ऑफ करने के बाद 2 घंटे तक मच्छरों से सुरक्षा प्रदान करता है। कंपनी ने कहा कि इसका गुरुग्राम स्थित मॉर्टीन एडवांस्ड रिसर्च लैब में परीक्षण किया गया है और यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एक बेहतर समाधान साबित हुआ है। यह तेजी से काम करता है और स्विच ऑफ करने के 2 घंटे बाद भी यह बीमारी पैदा करने वाले मच्छरों से बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है।

रेकिट के दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय विपणन निदेशक (हाइजिन) सौरभ जैन ने कहा, "इनोवेशन हमेशा से मॉर्टिन के डीएनए में शामिल रहा है और हम मच्छरों से पैदा होने वाले रोगों से आपके परिवार को सुरक्षित बनाने के लिए हमेशा बेहतर समाधान पेश कर रहे हैं और ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित मॉर्टीन स्मार्ट प्लस एक एडवांस मॉस्क्विटो रेपेलेंट सॉल्यूशन के साथ पहले से बेहतर सुरक्षा प्रदान कर रहा है। इसमें भारत का सबसे तेज़ फ़ॉर्मूला दिया गया है और स्विच ऑफ करने के 2 घंटे बाद भी इसका असर बना रहता है। इसकी मदद से यह हमारे परिवारों को मच्छरों से लंबे समय तक सुरक्षित रखता है। हम हमेशा से ग्राहकों को अत्याधुनिक वैज्ञानिक तकनीक के साथ विशेषज्ञ सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता रहे हैं। यह नया प्रोडक्ट हमारी इसी कोशिश का प्रमाण है। इसके साथ ही यह नया प्रोडक्ट 2030 तक भारत को मलेरिया मुक्त बनाने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपर्ण कदम भी है।"

शराब की दस करोड़ बोतलों से आएगा एक अरब मिल्क सेस

शिमला। हिमाचल में शराब पर लगे दूध सेस से राज्य सरकार ने सौ करोड़ की आय का अनुमान तय किया है। अप्रैल में शुरू हुई बिक्री के साथ ही यह सेस प्रति बोतल लगना शुरू हो गया है। राज्य सरकार ने शराब से दूध सेस के तौर पर राजस्व जुटाने का तरीका ढूंढा है। इस बार आबकारी एवं कराधान विभाग ने शराब कोटे में बढ़ोतरी की है। साथ ही यह भी तय कर दिया है कि शराब ठेकेदारों को अपने तय कोटे का कम से कम 80 फीसदी उठाना ही होगा। यानि शराब की बिक्री न भी हो पर 80 फीसदी कोटे तक दूध सेस प्रति बोतल के हिसाब से आबकारी एवं कराधान विभाग वसूल करेगा। फिलहाल, हिमाचल के आंकड़े देखें, तो प्रदेश में करीब नौ करोड़ बोतल की औसतन खपत होती रही है। हालांकि इस बार आंकड़ा दस करोड़ के पार जाने की संभावना है। दस करोड़ बोतल शराब की बिक्री मौजूदा वित्तीय वर्ष में होती है, तो सीधे-सीधे सौ करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा हो जाएंगे।

तनिष्क की कलेक्शन संग मनाएं अक्षय तृतीया

ईयर रिंग्स की स्पेशल कलेक्शन पेश, झुमके, स्टड्स सहित कई आकर्षण

पठानकोट। दुनिया भर में कई संस्कृतियों में सोने को अनन्यसाधारण महत्व दिया जाता है। सोना यानी पवित्रता, राजसी शान और शुद्धता का प्रतीक, स्मृद्धि और सुख। अक्षय तृतीय के पवित्र अवसर पर भारत के सबसे बड़े ज्वेलरी ब्रांड और टाटा समूह के एक सदस्य तनिष्क ने प्रस्तुत किया हैं। सोने और हीरों से बने आधुनिक ईयररिंग्स का शानदार कोलेक्शन है ईयर रिंग्स। हर महिला स्टाइल के अनुसार ईयररिंग्स के डिजाइन तनिष्क में उपलब्ध हैं। स्टनिंग एवरी ईयर या और एक नया कोलेक्शन प्रस्तुत करके तनिष्क ने इसके और अधिक विविधता, लालित्य और आधुनिकता को जोड़ा है। यहां ईयररिंग्स का परफेक्ट मैच है। नए कोलेक्शन में उत्कृष्ट तरीके से तैयार ईयररिंग्स की विशाल रेंज है।

इनमें पारंपरिक झुमके, सुंदर स्टडस, मॉडर्न ड्रॉप ईयररिंग्स और कई अन्य स्टाइल समायोजित है। इनमें 18 और 22 कैरेट से तैयार किए गए सुंदर डिजाइन हैं। इस वर्ष अक्षय तृतीय के अवसर पर तनिष्क ईयररिंग्स के सुंदर कोलेक्शन के साथ ऑफर भी पेश किया गया है। तनिष्क ने 14 से 24 अप्रैल तक सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस और हीरे के आभूषणों के मूल्य पर बीस प्रतिशत छूट देने की घोषणा की है। इस प्रकार यह आकर्षक है।

एमजॉन का गिफ्ट ए बुक अभियान

नई दिल्ली। ऑनलाइन मार्केट प्लेस एमजॉन ने रविवार को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर अपने साल भर चलने वाले गिफ्ट ए बुक अभियान की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह अभियान किताबें पढने और इसे उपहार में देने की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह अभियान ऐसे उपहार देने के महत्व पर केंद्रित है, जो हमेशा आपको कुछ देता रहता है।

ग्राहक विशेष रूप से तैयार स्टोरफ्रंट से ऑफर और डील्स के साथ विभिन्न शैलियों और आयु समूह के लिए किताबों का चयन कर सकते हैं। एमजॉन डॉट इन की यह पहल मेक इंडिया रीड के लिए किए जा रहे प्रयासों का एक हिस्सा है। इस अभियान को शुरू करने के लिए, इस साल की शुरुआत में एक डिजिटल वीडियो लांच किया गया था। एमजॉन इंडिया के निदेशक (मीडिया) राजार्षि गुइन ने कहा कि हम एक ऐसे देश का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां पुस्तक पढने को महत्व दिया जाता है। ग्राहक अपने और अपने प्रियजनों के लिए विभिन्न शैलियों और भाषाओं में लाखों शीर्षकों में से किताब का चयन करने के लिए हमारी वेबसाइट और ऐप पर ब्राउज कर सकते हैं।

गिरावट से उबरा शेयर बाजार

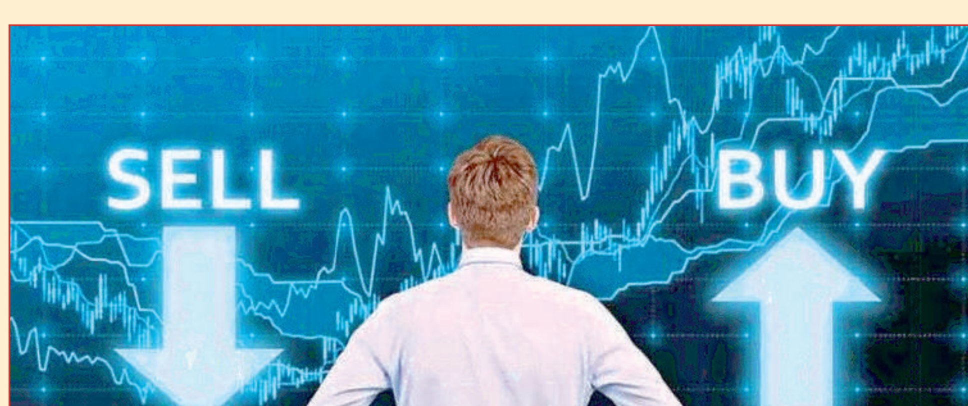

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर पावर, यूटिलिटीज और दूरसंचार समेत दस समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार पिछले लगातार तीन दिन की गिरावट से उबरते हुए आज तेजी के साथ बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 64.55 अंक की बढ़त लेकर 59632.35 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 5.70 अंक की मामूली तेजी के साथ 17624.45 अंक पर पहुंच गया। हालांकि बीएसई का मिडकैप 0.03 प्रतिशत फिसलकर 24,935.20 अंक पर आ गया जबकि स्मॉलकैप 0.10 प्रतिशत बढ़कर 28,310.02 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3631 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1911 में तेजी जबकि 1586 में गिरावट रही वहीं 134 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 26 कंपनियों में लिवाली जबकि 23 में बिकवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे। बीएसई के 10 समूहों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान सीडी 0.37, वित्तीय सेवाएं 0.13, इंडस्ट्रियल्स 0.63, दूरसंचार 0.81, यूटिलिटीज 0.85, ऑटो 0.27, बैंकिंग 0.23, कैपिटल गुड्स 0.58, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.44 और पावर समूह के शेयर 0.74 प्रतिशत चढ़ गए। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.22, जर्मनी का डैक्स 0.73 और चीन के शंघाई में 0.09 प्रतिशत रहा।

दिल्ली ने आखिरकार दर्ज की जीत, कोलकाता नाइट राइडर्स को चार विकेट से हराया

नई दिल्ली – दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजों के नायाब प्रदर्शन के बाद कप्तान डेविड वॉर्नर (57) के शानदार अर्द्धशतक की बदौलत गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को चार विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की। वर्षाबाधित मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर 127 रन पर ऑलआउट हो गयी। दिल्ली ने यह लक्ष्य 19.2 ओवर में हासिल करके अंक तालिका में अपना खाता खोला।

दिल्ली के बल्लेबाजों ने अपने निराशाजनक प्रदर्शन से इस मैच को भी रोमांचक बना दिया। वॉर्नर के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सका, जिसके कारण टीम को आखिरी ओवर में सात रन की दरकार थी। अक्षर पटेल (19 नाबाद) ने शुरुआती दो गेंदों पर चार रन लिये, जबकि कुलवंत खेजरोलिया ने दूसरी गेंद पर नो बॉल फेंककर दिल्ली का काम आसान कर दिया। अक्षर ने अंततः आधिकारिक दूसरी गेंद पर दो रन भागकर दिल्ली की पहली जीत सुनिश्चित की।

फीफा अंडर 20 विश्व कप के लिए अधिकारियों की तैनाती, 20 मई से 11 जून तक आयोजन

जिनेवा। फीफा ने अर्जेंटीना में 20 मई से 11 जून तक होने वाले फीफा अंडर-20 विश्व कप 2023 के लिए अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। फीफा रेफरी समिति द्वारा 25 रेफरी और 38 सहायक रेफरी का चयन किया गया था और 18 वीडियो मैच अधिकारी भी इस सूची में शामिल हैं। फीफा शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में अपने मुख्यालय में टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के लिए ड्रॉ की मेजबानी करेगा। फीफा ने कहा कि रेफरी और मैच अधिकारी टूर्नामेंट के शुरू होने से कुछ दिन पहले अंतिम तैयारी में भाग लेंगे। फीफा अंडर-20 विश्व कप की भाग लेने वाली टीमें अर्जेंटीना, ब्राजील, कोलंबिया, डोमिनिकन गणराज्य, इक्वाडोर, इंग्लैंड, फिजी, फ्रांस, ग्वाटेमाला, होंडुरास, इराक, इजरायल, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, नाइजीरिया, सेनेगल, स्लोवाकिया, गाम्बिया, ट्यूनीशिया, उरुग्वे, अमेरिका और उज्बेकिस्तान हैं।

अतंरराष्ट्रीय

आबादी में आगे निकला भारत, तो भड़का चीन, कहा हमारे 900 बिलियन लोग कामकाजी

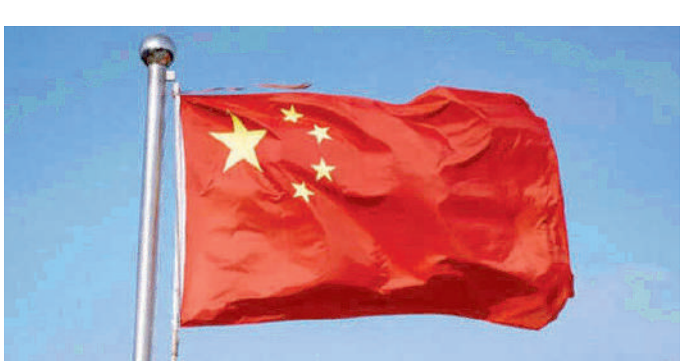

बीजिंग। भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ हो गई है और वह चीन को पीछे छोडक़र दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया। चीन को यह बात पसंद नहीं आई। अब चीनी अधिकारी भारत पर नस्लीय टिप्पणी कर रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने भारत पर कटाक्ष करते हुए कहा कि किसी देश के जनसांख्यिकीय लाभांश का आकलन करते समय यह देखना भी महत्त्वपूर्ण है कि उसकी क्वालिटी कैसी है। केवल साइज पर नहीं जाना चाहिए। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि जनसंख्या लाभांश न केवल मात्रा पर बल्कि गुणवत्ता पर भी निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि किसी देश के जनसांख्यिकीय लाभांश का आकलन करते समय, हमें न केवल इसके साइज, बल्कि इसकी क्वालिटी को भी देखने की जरूरत है। साइज मायने रखता है, लेकिन जो अधिक मायने रखता है वह प्रतिभा संसाधन (टेलेंट रिसोर्स)। 1.4 बिलियन चीनी में से लगभग 900 मिलियन कामकाजी उम्र के हैं और औसतन 10.9 साल की शिक्षा प्राप्त की है।

पंजाब प्रांत चुनाव: पाकिस्तान में सत्तारूढ़ दलों ने बातचीत करने से किया इनकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन दलों ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया है जिसमें उसने सभी राजनीतिक दलों से पंजाब में चुनाव की तारीख पर सहमति बनाने के लिए कहा है। शीर्ष अदालत ने पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव कराने का आदेश दिया है, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन दलों का कहना है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से बातचीत न्यायालय की निगरानी में नहीं हो सकती है।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने राजनीतिक शक्तियों के बीच बातचीत के लिए अदालत के आदेश को बंदूक की नोंक पर वार्ता कराना बताया। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पीपीपी अध्यक्ष ने कहा कि पीपीपी सहित सभी गठबंधन दलों के प्रमुख अदालत की निगरानी में बातचीत के संबंध में शीर्ष अदालत के आदेश से असहमत हैं और आदेश को हम बंदूक की नोक पर बातचीत करने जैसा मानते हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन पर पीटीआई के साथ बातचीत के लिए जारी दबाव का उल्लेख करते हुए श्री भुट्टो जरदारी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह सत्तारूढ़ सहयोगियों को विपक्ष के साथ बातचीत करने के लिए राजी

कर लेंगे लेकिन शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप ने सहयोगी दलों के बीच आम सहमति बनाना कठिन कर दिया है। उन्होंने कहा कि पीटीआई के साथ बातचीत को लेकर सत्तारूढ़ दलों में मतभेद है और वह आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अदालत के आदेश ने मेरा काम और मुश्किल बना दिया है। पंजाब में 14 मई को चुनाव कराने के शीर्ष अदालत के आदेश के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में पीपीपी प्रमुख ने कहा कि देश में केवल तीन लोगों का मानना था कि चुनाव इसी दिन होने चाहिए और क्या चुनाव कराने के लिए 90 दिन की शर्त खैबर पख्तूनख्वा के चुनावों पर लागू नहीं होती है। जेयूआई-एफ के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पीटीआई प्रमुख इमरान खान के साथ बातचीत की संभावना से भी इनकार किया। डेरा इस्माइल खान में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जेयूआई-एफ प्रमुख ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि एक ऐसे व्यक्ति के साथ बातचीत कैसे की जा सकती है, जिसने कहा कि वह संसद में दो तिहाई बहुमत प्राप्त करने के बाद ही चुनावों को स्वीकार करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पीटीआई प्रमुख चाहते हैं कि सभी चीजें उनकी इच्छा के अनुसार हों क्योंकि वह पहले ही कह चुके हैं कि साधारण बहुमत मिलने पर भी वह विधानसभाओं को भंग कर देंगे। उन्होंने अफसोस व्यक्त करते हुए कहा कि इमरान खान को अब तक अयोग्य घोषित कर देना चाहिए था।

उत्तराखंड प्रहरी छोटी खबरें

ब्रह्मलीन संत को दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार, उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो। कनखल स्थित श्री गीता मंदिर के संचालक स्वामी चिन्मयानंद महाराज के ब्रह्मलीन होने पर संत समाज और उनके अनुयायियों में शोक की लहर दौड़ गई। महानिर्वाणी अखाड़े के श्रीमहंत, सचिवगण, श्री पंच, संतों और समाजसेवियों ने ब्रह्मलीन संत को श्रद्धांजलि दी। महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद महाराज ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामी चिन्मयानंद ने अपना जीवन लोगों की सेवा में समर्पित किया। जो भी उनके पास आता उसे कभी निराश नहीं करते थे। उनके ब्रह्मलीन होने से संत समाज के साथ साथ अन्य लोगों में भी दुख है। इस प्रकार के सेवा भाव से उन्होंने आम जन के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। मेयर प्रतिनिधि अशोक शर्मा, व्यापारी नेता राजकुमार ठाकुर ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद महाराज स्वामी सदानंद के शिष्य थे। उन्होंने अपने गुरु के बताए मार्ग पर चलकर अपना जीवन व्यतीत किया। गुरु के प्रति पूरी निष्ठा और सेवा से ही संतों में उनकी पहचान थी। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चेतन, महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद, महामंडलेश्वर स्वामी प्रभुधानंद गिरी, स्वामी नरेशानंद, स्वामी विवेकानंद तीर्थ, अनिल, राजू, मनोज, राजेश आदि ने अपनी श्रद्धांजलि दी।

जनता हमारे साथ, जीतेंगे निकाय चुनावः मौर्य

झांसी (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कबीना मंत्री और झांसी नगर निकाय चुनाव प्रभारी बेबी रानी मौर्य ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के लोग मां भारती की जय का नारा लगाते हैं और वंचितों तथा शोषित के लिए काम करते हैं इसलिए लोग उनसे जुड़ते हैं और निकाय चुनाव में भी जीत हासिल करेंगे। मौर्य ने यहां पत्रकारों से कहा कि एक के बाद एक दलों के भाजपा में शामिल होने की वजह पार्टी को समाज के हर वर्ग को मिलने वाला उचित सम्मान है। उन्होंने कहा " हम भारत माता की जय बोलते हैं। गरीबों ,महिलाओं, दलितों और वंचितों के लिए काम करते हैं इसलिए लोग हमारे साथ खड़े होते हैं। भाजपा की अलग पहचान है यह पार्टी गरीबों,महिलाओं और वंचितों को अलग से सम्मान देते हैं। मैं स्वंय दलित समाज से आतीं हूं पार्टी ने मुझे राज्यपाल के पद तक पहुंचाया।"

उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल ने कहा कि केंद्र और राज्य की मोदी -योगी सरकार ने दोनों स्तरों पर जबरदस्त काम किया है और बड़ी संख्या में लोग विशेषकर दलित और वंचित समाज के लोग उन योजनाओं को लाभ ले रहें हैं। इसी कारण भाजपा जन जन के बीच लोकप्रिय है और इन्ही के बल पर चुनाव की वैतरणी पार करेगी। बहुजन समाज पार्टी के कानपुर-बुंदेलखंड- ग्वालियर-चंबल संभाग के पूर्व समन्वयक भूपेंद्र आर्या ने सैंकडों साथियों के साथ भाजपा में शामिल हुए। महापौर के पद पर खड़े हुए तीन उम्मीदवारों ने भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में आगे आ गये हैं। बसपा के पूर्व पार्षद राजेंद्र अहिरवार ने भी भाजपा उम्मीदवार को समर्थन दे दिया।

सपा को माफिया और अपराध जैसे मुद्दों पर बोलने का हक नहीं: भूपेन्द्र

लखनऊ (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने गुरुवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) को माफिया और अपराध जैसे मुद्दों पर बोलने का कोई हक नहीं है, क्योंकि ये सब उन्हीं की देन है। उन्होने दावा किया कि उनकी पार्टी की सरकार कानून व्यवस्था को पटरी में लाने में सफल रही है। योगी राज में माफिया डरे हुये हैं जबकि जनता के बीच सुरक्षा का माहौल है।

चार धाम जा रहे श्रद्धालुओं का माल्यार्पण कर सीएम धामी ने किया स्वागत

राज्य सरकार का संकल्प प्रत्येक श्रद्धालु को कराएंगे चार धाम के दर्शन :मुख्यमंत्री।

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को आईएसबीटी, ऋषिकेश में संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति द्वारा अयोजित ऋषिकेश से चारधाम यात्रा - 2023 के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने चार धाम जा रहे श्रद्धालुओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं यात्रा हेतु श्रद्धालुओं से भरी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हंस फाउंडेशन द्वारा चालकों, परिचालकों एवं श्रद्धालुओं हेतु दी जा रही राहत किट का वितरण भी मुख्यमंत्री श्री धामी द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा हेतु आए सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि बाबा केदार, बद्रीविशाल, मां गंगोत्री और मां यमनोत्री से प्रार्थना करता हूँ कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी चारधाम यात्रा हर्षोल्लास एवम्‌ धूमधाम से सकुशल संपन्न हो। उन्होंने कहा हमें पूर्ण विश्वास है की इस वर्ष की चारधाम यात्रा अपने पिछले सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ेगी। राज्य सरकार सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। सरकार द्वारा प्रत्येक स्तर पर चारधाम यात्रा संबंधी तैयारियों की निरंतर समीक्षा की जा रही है। हमारा प्रयास रहेगा कि जो भी श्रद्धालु, यात्रा खत्म होने के उपरांत अपने घर लौटे वह देवभूमि उत्तराखंड में बिताए गए समय की स्वर्णिम यादों को साथ लेकर जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चार धाम यात्रा उत्तराखंड राज्य के लिए एक उत्सव है। उन्होंने कहा देश विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु उत्तराखंड आते हैं। इससे राज्य में रोजगार के कई अवसर पैदा होते हैं। इस वर्ष अभी तक 16 लाख लोगों द्वारा यात्रा हेतु रजिस्ट्रेशन करवाया गया है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक श्रद्धालुओं की यात्रा शुभम सुरक्षित शत प्रतिशत हो। 2022 में यात्रा खत्म होते ही सरकार 2023 की यात्रा की तैयारियों में जुट गई थी। चार धाम आने वाले श्रद्धालुओं पर भगवान की विशेष कृपा होती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केदारनाथ का भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य हुआ है साथ ही इस वर्ष से श्रद्धालुओं को बद्रीनाथ धाम में भी मास्टर प्लान के कार्य दिखेंगे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री जी ने हेमकुंड साहिब एवं गौरीकुंड से केदारनाथ तक के रोप-वे का शिलान्यास कर दिया है इससे आने वाले समय में यात्रा और ज्यादा शुभम होगी। ऑल वेदर रोड के निर्माण से पहले के मुकाबले आज यात्री बेहद कम समय में ऋषिकेश से चार धाम पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा राज्य में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की चिंता करना सरकार का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति श्रद्धालुओं को यात्रा संपन्न कराने में अपना सहयोग प्रदान करती हैं। जो कि अत्यधिक सराहनीय है। उन्होंने कहा राज्य सरकार का प्रयास है कि जब श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आएं तो उन्हें हर सुख सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे भविष्य में बार - बार उत्तराखंड आने का मन बनाएं, जिससे हमारे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री से हर हर शंभु फेम भजन गायिका अभिलिप्सा पांडा ने की भेंट

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित कैम्प कार्यालय में हर हर शंभु फेम भजन गायिका अभिलिप्सा पांडा ने भेंट की।

इस अवसर पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय तथा भजन गायिका अभिलिप्सा के माता पिता भी मैजूद थे। मुख्यमंत्री ने अभिलिप्सा पांडा को शुभकामनायें देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मनमोहक गायिकी के द्वारा संगीत जगत में अपनी पहचान बनायी है जो युवाओं के लिये भी प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामाना करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा का अक्षय तृतीया से शुभारम्भ हो रहा है। भगवान केदारनाथ तथा श्री बद्रीनाथ के कपाट खुलने के अवसर पर अभिलिप्सा के भजन गायिकी कार्यक्रम को उन्होंने चारधाम यात्रा के लिये भी सुखद बताया। अभिलिप्सा ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें संगीत शिक्षा विरासत में मिली है तथा बचपन से ही उनकी शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य में अभिरूचि रही है। श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय ने भी सुश्री अभिलिप्सा पांडा को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

10 हजार फीट ऊंचाई पर पहुंचे जसप्रीत

मंडी। साइकिलंग के क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित करने वाले मंडी शहर निवासी जसप्रीत पॉल ने अब एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने साढ़े 13 घंटों में कठिन रास्तों से होते हुए 171 किलोमीटर की राइड साइकिल के माध्यम से पूरी है। जोकि जसप्रीत की सबसे बड़ा रिकार्ड बन गया है। बता दें कि गत रविवार को जसप्रीत पॉल एक अन्य साथी हर्ष के साथ सुबह साढ़े पांच बजे मंडी से साइकिल पर रवाना हुए। मंडी से पंडोह, थलौट और थाची होते हुए शाम पांच बजे दस हजार फीट की उंचाई पर स्थित देवता शैटीनाग के मंदिर पहुंचे। यह मंदिर सराज विधानसभा क्षेत्र के दुर्गम स्थान पर मौजूद है। यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने साइक्लिंग के माध्यम से छह हजार मीटर एलिवेशन गेन किया, जोकि अपने आप में बड़ी बात है। यहां से जसप्रीत और उनका साथी हर्ष, च्यूणी चेत, थुनाग और चैलचौक होते हुए रात करीब साढ़े 11 बजे वापिस मंडी पहुंचे। यह पूरी राइड 171.40 किमी बनी, जिसे साढ़े 18 घंटों में पूरा किया गया। जिसमें साढ़े 13 घंटों की साइक्लिंग है। जसप्रीत ने बताया कि उन्हें यात्रा करके आनंद महसूस हो रहा है। एक दिन में इतना अधिक एलिवेशन गेन करके राइड को पूरा करना किसी चुनौती से कम नहीं था। हिमाचल सरकार ग्रीन हिमाचल की दिशा में जो प्रयास कर रही है वो तभी पूरे हो सकते हैं जब लोग अधिक से अधिक संख्या में धुआं रहित वाहनों का इस्तेमाल करेंगे। ऐसे स्थानों पर जाने की ठान रखी है जहां साइकिल के माध्यम से कोई नहीं जाता हो। इस पूरी राइड के दौरान जसप्रीत ने विदेशी साइक्लिस्टों का एक रिकार्ड भी ध्वस्त किया।

गुजरात को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए मिले दो प्रधानमंत्री पुरस्कार

गांधीनगर, (वार्ता)। गुजरात को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए दो प्रधानमंत्री पुरस्कार मिले हैं। यह पुरस्कार प्रधान मंत्री द्वारा सिविल सेवा दिवस पर नयी दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में प्रदान किए गए।

सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि गुजरात को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार 2022 के लिए चुना गया। यह पुरस्कार प्रधान मंत्री द्वारा सिविल सेवा दिवस पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार कमिश्नर (स्वास्थ्य) सुश्री शाहमीना हुसैन और मेहसाणा के कलेक्टर नागराजन एम. ने प्राप्त किए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में गुजरात को विभिन्न क्षेत्रों में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने गुजरात सरकार की ओर से प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। दूसरा पुरस्कार पीएम द्वारा मेहसाणा जिले के सभी 994 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पीएटीएचए (प्रोब्लेम आइडेंटिफिकेशन असेसमेंट डायग्नोसिस टीचर ट्रेनिंग हैंड होल्डिंग इन रेमीडीज एसेसमेंट ऑफ इंपेक्ट) के तहत फाउंडेशन लिटरेसी और न्यूमरेसी के लिए की गई पहल पर दिया गया। यह पुरस्कार मेहसाणा के कलेक्टर नागराजन एम. ने प्राप्त किया।

किसी को जीवन देना सबसे सर्वश्रेष्ठ और परोपकारी उपहार होता है और गुजरात राज्य कैडेवरिक ऑर्गन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांट में सबसे आगे है। नागरिक केंद्रित कॉम्प्रिहेंसिव ट्रांसप्लांट इकोसिस्टम बनाने के लिए गुजरात की इनोवेटिव अप्रोच ने स्टेट ऑर्गन टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सीटीटीओ) को आकार दिया है। सीटीटीओ के साथ गुजरात ने इस क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। पब्लिक सेक्टर में मृतक अंगदान और प्रत्यारोपण में गुजरात पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है। यह सब नई नीतियों, सुशासन, समावेशी दृष्टिकोण और एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से संभव हुआ है जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि सबसे वंचित वर्ग के पास अंगदान प्रत्यारोपण की यह सेवा बिना किसी रुकावट के यह सेवा पहुंचे जो असल में सबसे महंगी मेडिकल सेवाओं में आती हैं। अंग प्रत्यारोपण के माध्यम से अधिक से अधिक जीवन बचाने के लिए लाइव से कैडावर ट्रांसप्लांट की ओर शिफ्ट करने की आवश्यकता है। गुजरात ने सीटीटीओ की स्थापना के साथ इस आवश्यकता को समझा है और अंग प्रत्यारोपण के लिए आदर्श बदलाव किए

अक्षय फल देता है अक्षय

अक्षय तृतीया वैशाख शुक्ल तृतीया को कहा जाता है। वैदिक कैलेंडर के चार सर्वाधिक शुभ दिनों में से यह एक मानी गई है। अक्षय से तात्पर्य है जिसका कभी क्षय न हो अर्थात जो कभी नष्ट नहीं होता। भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के वृंदावन में ठाकुर जी के चरण दर्शन इसी दिन होते हैं। अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु ने परशुराम अवतार लिया था। अतः इस दिन व्रत करने और उत्सव मनाने की प्रथा है

क्षमा-प्रार्थना का दिन

मान्यताओं के अनुसार यह दिन सौभाग्य और सफलता का सूचक है। इस दिन को सर्वसिद्धि मुहूर्त दिन भी कहते हैं क्योंकि इस दिन शुभ काम के लिए पंचांग देखने की जरूरत नहीं होती। ऐसा माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किए गए जाने-अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सद्गुण प्रदान करते हैं। अतः आज के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिए अर्पित कर उनसे सद्गुणों का वरदान मांगना चाहिए।

धार्मिक महत्त्व

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि इसी दिन से त्रेता युग का आरंभ हुआ था। नर नारायण ने भी इसी दिन अवतार लिया था। भगवान परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ। प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं। वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी जी के मंदिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। अक्षय तृतीया को व्रत रखने और अधिकाधिक दान देने का बड़ा ही महात्म्य है। अक्षय तृतीया में सतयुग, किंतु कल्पभेद से त्रेतायुग की शुरुआत होने से इसे युगादि तिथि भी कहा जाता है। वैशाख मास में भगवान भास्कर की तेज धूप तथा लहलहाती गर्मी से प्रत्येक जीवधारी क्षुधा पिपासा से व्याकुल हो उठता है। इसलिए इस तिथि में शीतल जल, कलश, चावल, चना, दूध, दही आदि खाद्य व पेय पदार्थों सहित वस्त्राभूषणों का दान अक्षय व अमिट पुण्यकारी माना गया है। सुख-शांति की कामना से व सौभाग्य तथा समृद्धि हेतु इस दिन शिव-पार्वती और नर नारायण की पूजा का विधान है। इस दिन श्रद्धा विश्वास के साथ व्रत रखकर जो प्राणी गंगा-जमुनादि तीर्थों में स्नान कर अपनी शक्तिनुसार देव स्थल व घर में ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ, होम, देव-पितृ तर्पण, जप, दानादि शुभ कर्म करते हैं, उन्हें उन्नत व अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

व्रत पद्धति

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें। अपने नित्य कर्म व घर की साफ-सफाई से निवृत्त होकर स्नान करें। वैसे इस दिन समुद्र, गंगा या यमुना में स्नान करना चाहिए। इस दिन उपवास रखें और घर में ही किसी पवित्र स्थान पर विष्णु भगवान की मूर्ति या चित्र स्थापित कर पूजन का संकल्प करें। संकल्प के बाद भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं, तत्पश्चात उन्हें सुगंधित चंदन, पुष्पमाला अर्पण करें। नैवेद्य में जौ या जौ का सत्तू, ककड़ी और चना की दाल अर्पण करें। भगवान विष्णु को तुलसी अधिक प्रिय है, अतः नैवेद्य के साथ तुलसी अवश्य चढ़ाएं। जहां तक हो सके तो विष्णु सहस्रनाम का पाठ भी करें। अंत में भक्तिपूर्वक आरती करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य और चंद्रमा इस दिन उच्चस्थ स्थिति में होते हैं। इस दिन उपवास रखते हैं और जौ, सत्तू, अन्न तथा चावल से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन बरतन, पात्र, मिष्ठान, तरबूज, खरबूजा, दूध, दही, चावल का दान देना चाहिए।

आज मनाई जाएगी ईद

देशभर में ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को मनाया जाएगा। दारुल उलूम की रुइयत-ए-हिलाल कमेटी ने ईद का चांद दिखाई देने की पुष्टि की है। दारुल उलूम की रुइयत-ए-हिलाल कमेटी देर शाम चांद देखने के लिए अहतमाम (मोहतमिम कार्यालय) में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कमेटी ने विभिन्न राज्यों से संपर्क साधने के बाद यह ऐलान किया कि ईद-उल-फितर का त्यौहार 22 अप्रैल को मनाया जाएगा। बैठक में नायब मोहतमिम मौलाना अब्दुल खालिद मद्रासी, मुफ्ती जैनुल इस्लाम, मुफ्ती वकार अली, मौलाना मुफ्ती हबीबुर्रहमान खैराबादी, मुफ्ती फखरुल इस्लाम आदि मौजूद रहे उधर, ईदगाह में सुबह आठ बजे ईद उल फितर की नमाज अदा कराई जाएगी। ईद की नमाज मुफ्ती अफ्फान मंसूरपुरी द्वारा अदा कराई जाएगी। रमजान के पूरे महीने रोजेदारों ने संयम और धैर्य के साथ रोजा रखा. आज 21 अप्रैल को रमजान का आखिरी जुम्मा और माहे रमजान का आखिरी दिन है. आज रोजेदार अलविदा जुम्मा की नमाज अदा करेंगे और शाम में इफ्तार के बाद ईद के चांद का दीदार किया जाएगा. अगर आज चांद नजर आता है तो भारत में कल यानी 22 अप्रैल 2023 को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा.इस्लामिक कैलेंडर के 10वें शव्वाल की पहली तारीख को ईद का त्योहार मनाया जाता है. गुरुवार 20 अप्रैल को सऊदी अरब और खाड़ी देशों में चांद दिखाई देने के बाद वहां आज ईद मनाई जा रही है. वहीं पाकिस्तान में 22 अप्रैल को ईद मनाने की घोषणा पहले से ही की जा चुकी है. लेकिन भारत में ईद कब मनाई जाएगी। सऊदी अरब में ईद की तारीख के अगले दिन भारत में भी ईद मनाई जाती है. इस तरह से आज अरब देशों में ईद है और 22 अप्रैल को भारत में ईद मनाई जाएगी. हालांकि यह हमेशा जरूरी नहीं होता है. आज 21 अप्रैल को मुस्लिम समुदाय के लोग चांद देखेंगे अगर आज चांद दिखाई देता है तो 22 अप्रैल को भारत में ईद मनाई जाएगी।

23 अप्रैल, रविवार को ही मनाई जाएगी अक्षय तृतीया का पर्व इस दिन स्नान, ध्यान, जप-तप और दान पुण्य का विशेष है महत्व :

ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान प्रताप चौक, सहरसा के संस्थापक एवं निर्देशक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है की वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है, हिंदू शास्त्रों के अनुसार ये दिन खास महत्व रखता है, वर्ष 2023 में अक्षय तृतीया रविवार,23 अप्रैल को मनाई जाएगी, मिथिला पंचांग के अनुसार अक्षय तृतीया सर्वसिद्ध मुहूर्तों में से एक है,इस दिन किसी भी मंगल कार्य को करने से पहले पंचांग देखने की अवश्यकता नहीं है,ज्योतिष विद्वान पंडित तरुण झा जी के अनुसार, इस बार अक्षय तृतीया 22 अप्रैल,शनिवार को सुबह 08.10 से प्रारम्भ होकर 23 अप्रैल, रविवार को सुबह 08.14 मिनट तक रहेगी,लेकिन 23 अप्रैल रविवार को हीं अक्षय तृतीया पर्व मनाया जायेगा !

ये दिन दीवाली के समान ही मंगलमय है, इसलिए इस दिन सोना खरीदना बहुत शुभ होता है,या मां लक्ष्मी के चांदी की चरण पादुका खरीदकर उसकी पूजा करके घर या दुकान के मंदिर में स्थापित करें, वाहन खरीदने के लिए भी ये दिन उत्तम है, देवी लक्ष्मी का वास धन के साथ धान्य में भी होता है,अन्न का दान जरूर करें अक्षय तृतीया पर त्रैतायुग का आरंभ हुआ था, अक्षय तृतीया पर विष्णु अवतार भगवान परशुराम जी और दशमहाविद्या में नवम देवी भगवती राजराजेश्वरी मातंगी का जन्मोत्सव मनाया जाता है इस दिन दान का सर्वाधिक महत्व होता है, इस दिन संभव हो तो पानी से भरी सुराही, अरवा चावल,दाल,सिंधा नमक, हरी सब्जी,घी, दही,चीनी, मिठाई फल,एवं संभव हो तो वस्त्र का दान अवस्य हो तो शुभ माना जाता है !

परशुराम : क्षत्रियों के दमन से विश्व को मुक्ति दिलाने वाले

परशुराम राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे। वे विष्णु के अवतार और शिव के परम भक्त थे। इन्हें शिव से विशेष परशु प्राप्त हुआ था। इनका नाम तो राम था, किंतु शंकर द्वारा प्रदत्त अमोघ परशु को सदैव धारण किए रहने के कारण ये परशुराम कहलाते थे। परशुराम भगवान विष्णु के दस अवतारों में से छठे अवतार थे, जो वामन एवं रामचंद्र के मध्य में गिना जाता है। जमदग्नि के पुत्र होने के कारण ये जामदग्न्य भी कहे जाते हैं। इनका जन्म अक्षय तृतीया (वैशाख शुक्ल तृतीया) को हुआ था। अतः इस दिन व्रत करने और उत्सव मनाने की प्रथा है। परंपरा के अनुसार इन्होंने क्षत्रियों का अनेक बार विनाश किया। क्षत्रियों के अहंकारपूर्ण दमन से विश्व को मुक्ति दिलाने के लिए इनका जन्म हुआ था

जन्म : भृगु ने अपने पुत्र के विवाह के विषय में जाना तो बहुत प्रसन्न हुए तथा अपनी पुत्रवधू से वर मांगने को कहा। उनसे सत्यवती ने अपने तथा अपनी माता के लिए पुत्र जन्म की कामना की। भृगु ने उन दोनों को चरु भक्षणार्थ दिए तथा कहा कि ऋतुकाल के उपरांत स्नान करके सत्यवती गूलर के पेड़ तथा उसकी माता पीपल के पेड़ का आलिंगन करें तो दोनों को पुत्र प्राप्त होंगे। मां-बेटी के चरु खाने में उलट-फेर हो गई। दिव्य दृष्टि से देखकर भृगु पुनः वहां पधारे तथा उन्होंने सत्यवती से कहा कि तुम्हारी माता का पुत्र क्षत्रिय होकर भी ब्राह्मणोचित व्यवहार करेगा तथा तुम्हारा बेटा ब्राह्मणोचित होकर भी क्षत्रियोचित आचार-विचार वाला होगा।

कथा

एक बार उनकी मां जल का कलश लेकर भरने के लिए नदी पर गईं। वहां गंधर्व चित्ररथ अप्सराओं के साथ जलक्रीड़ा कर रहा था। उसे देखने में रेणुका इतनी तन्मय हो गई कि जल लाने में विलंब हो गया तथा यज्ञ का समय व्यतीत हो गया। उसकी मानसिक स्थिति समझकर जमदग्नि ने अपने पुत्रों को उसका वध करने के लिए कहा। परशुराम के अतिरिक्त कोई भी ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हुआ। पिता के कहने से परशुराम ने मां का वध कर दिया। पिता के प्रसन्न होने पर उन्होंने वरदान स्वरूप उनका जीवित होना मांगा।

राम के पराक्रम की परीक्षा

राम का पराक्रम सुनकर वे अयोध्या गए। दशरथ ने उनके स्वागतार्थ रामचंद्र को भेजा। उन्हें देखते ही परशुराम ने उनके पराक्रम की परीक्षा लेनी चाही। अतः उन्हें क्षत्रियसंहारक दिव्य धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाने के लिए कहा। राम के ऐसा कर लेने पर उन्हें धनुष पर एक दिव्य बाण चढ़ाकर दिखाने के लिए कहा। राम ने वह बाण चढ़ाकर परशुराम के तेज पर छोड़ दिया। बाण उनके तेज को छीनकर पुनः राम के पास लौट आया। राम ने परशुराम को दिव्य दृष्टि दी, जिससे उन्होंने राम के यथार्थ स्वरूप के दर्शन किए। परशुराम एक वर्ष तक लज्जित, तेजहीन तथा अभिमानशून्य होकर तपस्या में लगे रहे। तदनंतर पितरों से प्रेरणा पाकर उन्होंने वधूसर नामक नदी के तीर्थ पर स्नान करके अपना तेज पुनः प्राप्त किया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com